वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 171 | रविवार 16 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सियासी बवाल के बाद पहली बार राहुल से मिले गहलोत

जयपुर. कासं

राजस्थान में हुए सियासी बवाल के बाद शनिवार को पहली बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कर्नाटक के बेल्लारी में राहुल गांधी से मुलाकात की। गहलोत ने राहुल गांधी के साथ बैठक कर राजस्थान के सियासी हालात और पार्टी के विवाद पर फीडबैक दिया है। सूत्रों के अनुसार, गहलोत ने 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में नए सीएम के चयन का अधिकार हाईकमान पर छोड़ने का प्रस्ताव पारित नहीं होने के पूरे प्रकरण पर सफाई दी है। सोनिया गांधी से मिलकर माफी मांगने और विधायकों की भावनाओं के बारे में भी राहुल गांधी को बताया है। गहलोत ने राहुल को समर्थक विधायकों के अचानक प्रस्ताव पारित करने के नाम से बागी तेवर अपनाने पर वही लाइन ली है, जो सोनिया गांधी को सफाई और माफी मांगकर ली थी। राहुल गांधी इस पूरे घटनाक्रम के समय भारत जोड़ो यात्रा में ही थे। माना जा रहा है कि गहलोत ने औपचारिक रूप से राहुल से आज पूरे घटनाक्रम पर बात की है। राजस्थान के सियासी घटनाक्रम के बारे में भी गहलोत ने राहुल गांधी को फीडबैक दिया है।

मुलाकात के बाद राहुल की सभा में शामिल हुए गहलोत

इस मुलाकात के बाद गहलोत ने बेल्लारी में राहुल गांधी की सभा में हिस्सा लिया। सभा में गहलोत ने राहुल गांधी की जमकर तारीफ करते हुए भारत जोड़ो यात्रा के जरिए इतिहास बनाने वाला बताया। राजस्थान के विवाद के बाद गहलोत पहली बार राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। राहुल गांधी से मुख्यमंत्री गहलोत की मुलाकात का लिंक राजस्थान के मौजूदा सियासी घटनाक्रम के साथ आगे के फैसलों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विधायक दल की बैठक के बहिष्कार से पैदा हुए सियासी नरेटिव को कुछ बदलने के मकसद से भी इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। राहुल की सभा में गहलोत के जाने से एक बार के लिए उनके लिए नरेटिव में बदलाव आया है।

21 सितंबर को राहुल को अध्यक्ष पद के लिए मनाने कोच्चि गए थे गहलोत

गहलोत इससे पहले 21 सितंबर को राहुल गांधी को अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए तैयार करने के मकसद से केरल के कोच्चि गए थे। राहुल गांधी ने उस वक्त साफ मना कर दिया था। इसके बाद गहलोत ने खुद अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए नॉमिनेशन करने की घोषणा की थी। राहुल गांधी ने इसी दिन कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले नेता पर एक व्यक्ति एक पद लागू होने की बात कही थी। इस मुलाकात के चौथे दिन ही 25 सितंबर को जयपुर में गहलोत गुट के विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया, नए सीएम का फैसला हाईकमान पर छोड़ने का एक लाइन का प्रस्ताव पहली बार पारित नहीं हो सका। इस घटना के बाद पूरा सियासी सीन बदल चुका है। गहलोत इस घटना पर 29 सितंबर को सोनिया गांधी से मिलकर माफी मांग चुके हैं।

गहलोत दो दिन गुजरात में चुनावी सभाएं और रोड शो करेंगे

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद गहलोत रविवार से गुजरात के चुनावी दौरे पर जा रहे हैं। गहलोत रविवार को पाटन में चुनावी सभा करेंगे। सोमवार को गहलोत अहमदाबाद में दोपहर साढ़े 12 बजे चुनावी मुद्दों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इसके बाद आदिवासी बहुल बनासकांठा में चुनावी सभा और रोड शो करेंगे। गहलोत गुजरात चुनावों में सीनियर ऑब्जर्वर हैं। राजस्थान के सियासी बवाल और अध्यक्ष चुनाव के कारण गहलोत महीने भर से गुजरात नहीं गए हैं। गहलोत गुजरात से ही 18 अक्टूबर की शाम को दिल्ली जाएंगे। गहलोत 19 को कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के नतीजे आने और नए अध्यक्ष के चार्ज संभालने तक दिल्ली रुकेंगे।

जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी कैपिटल का सामूहिक विवाह की थीम पर हुआ भव्य कार्यक्रम

एक अनूठे अलौकिक शानदार कार्यक्रम का आयोजन संगिनी कैपिटल की सदस्याओं द्वारा किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी कैपिटल द्वारा 14 अक्टूबर को सी -स्कीम स्थित शकुन होटल में शुभ विवाह थीम पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगिनी अध्यक्ष मीना चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम सामूहिक विवाह के आयोजन की थीम पर प्रस्तुत किया गया। संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को यह संदेश देना था कि व्यर्थ के खर्च को कैसे रोका जाए। हम सामूहिक विवाह का आयोजन कर व्यर्थ के खर्चों से बच सकते हैं ।इस थीम को बहुत ही शानदार तरीके से फोरम के हर सदस्य ने अपनी प्रस्तुति से जीवंत कर दिया। संगिनी फोरम की कार्यकारिणी सदस्यों ने दुल्हन की वेशभूषा में और ग्रुप की सदस्यों द्वारा दूल्हे की वेशभूषा में अपनी प्रस्तुति दी।10 दूल्हों और 10 दुल्हन के साथ एक भव्य आयोजन की प्रस्तुति संगिनी कैपिटल द्वारा दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत सदस्यों द्वारा णमोकार महामंत्र नृत्य के साथ मंगलाचरण की प्रस्तुति दीपको द्वारा दी गई।विवाह में होने वाली सभी रस्मों को बहुत ही खूबसूरत तरीके से प्रस्तुत किया गया। गणेश वंदना और मूंग हाथ के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई,बन्ना बन्नी के गीत, हल्दी की रस्म फूलों के द्वारा ,मेहंदी की रस्म,भाई के द्वारा बहन का भात भरने का कार्यक्रम बहुत ही अनूठा रहा। कार्यक्रम मे स्वागत बारात और विदाई के कार्यक्रम के साथ सामूहिक भोज का कार्यक्रम भी रखा गया तथा उपहार मे सभी को भेंट दी गई। एक अनूठा अलौकिक शानदार कार्यक्रम का आयोजन संगिनी कैपिटल की सदस्याओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम के लिए संगिनी फोरम के 10 ग्रुपो की टीम बनाई गई थी। हर ग्रुप में 8 सदस्याएं थी।सभी के द्वारा कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुतियां दी गई। उसमें से सयुंक्त सचिव नलिनी जैन की टीम को बेस्ट ग्रुप के लिए प्रथम विजेता घोषित किया गया। कोऑर्डिनेटर चंदना ठोलिया की टीम को द्वितीय स्थान के लिए विजेता घोषित किया गया। बेस्ट दूल्हा का प्रथम पुरस्कार नीलिमा जैन ।बेस्ट दूल्हा द्वितीय पुरस्कार अंजू बगड़ा को प्राप्त हुआ। बेस्ट दुल्हन प्रथम अनीता कटारिया तथा बेस्ट दुल्हन द्वितीय नलिनी जैन बनी। गणेश वंदना के लिये प्रीति बाकलीवाल, मूंग हाथ मंजू बज, मेहंदी निधि बड़जात्या एवं रंजना जैन को पुरष्कृत किया गया। बन्ना बन्नी गीत अनीता बड़जात्या ,सगाई प्रथम किरण बगड़ा तथ द्वितीय समता जैन संगीत प्रथम हीरल जैन तथा द्वितीय सुरभि जैन एवं अनिता कटारिया, मायरा प्रथम नमीता जैन तथा द्वितीय शशि तिजारिया को निर्णायक अतिथि मृदुला पाटनी के द्वारा विजेता घोषित किया गया। ग्रुप की अध्यक्ष मीना जैन चौधरी, संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन, सचिव अलका गोधा, पूर्व अध्यक्ष समता गोदिका द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

नेट थिएट पर नाटक सशक्त यथार्थ और वास्तविकता को दर्शाता "किसी और का सपना"

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक्टर थिएटर राजस्थान ग्रुप की ओर से नंदकिशोर आचार्य द्वारा लिखित और डॉक्टर चंद्रदीप हाडा द्वारा निर्देशित नाटक ''किसी और का सपना'' का सशक्त मंचन किया गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नाटक के पात्रों ने अपने अभिनय से जीवन के यथार्थ और वास्तविकता को दर्शकों तक पहुंचा अभिनय की छाप छोड़ी।

नाटक की कहानी: यह नाटक रिहर्सल के अंदर से उठ खड़ा होता है, नाटक के यथार्थ और वास्तविकता की कहानी आगे बढ़ती है, दो तरह की दुनिया दिखाता यह नाटक, अभिनेता, नाटक लेख और स्वयं की रोजमर्रा की जिंदगी के कई पहलुओं पर प्रकाश डालता है। जैसे निर्वस्त्र राजा का जुलूस निकलते समय दो आदमी बहस करने लग जाते हैं, मां के नाम पर अपशब्द सुनकर एक पात्र अभिनय भूल कर वास्तविकता में आ जाता है । अगले दृश्य में मां की लाश जलाने के लिए लकड़ी नहीं मिलने पर वही स्थिति खड़ी हो जाती है, जीवन के नाटक में अभिनय, मंच खेलने वाले नाटक के अभिनय, यह दोनों एक दूसरे में सिमटने लगते हैं । तो प्रश्न उठता है कि नाटक आखिर है किसका, नाटक कार रचना करता है, निर्देशक डिजाइन करता है, अभिनेता अभिनय करता है या दर्शक इसे देखने आते हैं इसी द्वंद के रोचक समाधान खोजने के प्रयास करता है यह नाटक... नाटक में अमित चौधरी, आधार शर्मा, घनश्याम प्रजापत, अंकित पवार और अजय सिंह शेखावत ने अपने अभिनय से वाहवाही लूटी। नाटक में साउंड आधार शर्मा, सह निर्देशिका मोनिका भार्गव सिंह, प्रकाश परिकल्पना चंद्रदीप हाड़ा की रही।

आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा...

केवल धर्म को जानने वाले कभी धर्म का पालन नहीं कर पाएंगे

रायपुर. शाबाश इंडिया

सन्मति नगर फाफाडीह में जारी चातुर्मासिक प्रवचन माला में शनिवार को आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि केवल धर्म को जानने वाले कभी धर्म का पालन नहीं कर पाएंगे। सारे वयोवृद्ध, ज्ञानी -ध्यानी, तपोनिष्ठ, त्यागी, व्रती, विद्वान आचार्य, मुनि, आर्यिका, गणनी, सबको ध्यान देना होगा कि सिर्फ धर्म को जानने वाला धर्म नहीं कर पाएगा। ज्ञानियों पहले अधर्म को जानना पड़ेगा, तब धर्म का पालन कर पाओगे। यह मत सोचना कभी कि सामने वाला ऊंचा, धनपति व प्रभावी है इसलिए क्या मैं उसकी बात मान लूं ? मित्र जो सत्यार्थ का जीवन जीकर सत्य को जानता है उसकी बात मानो,उसका नाम तीर्थंकर है। स्वप्न की बातों में मत डूबो,जो भगवान ने कहा है उसे मानो। आचार्यश्री ने कहा कि किसी को स्वप्न स्वर्ग का तो किसी को नर्क का आता है। इन स्वप्न के चक्कर में मिथ्यात्व को मत बढ़ाइए,ये जिनशासन है,स्वप्न का शासन नहीं है,ये सर्वज्ञ शासन है, सर्वज्ञ की बात प्रमाणित होती है, स्वप्न की बात प्रमाणित नहीं होती। आप कभी छले मत जाना,जगत बहुत तीव्र मिथ्या की ओर दौड़ रहा है, जहां लोग सपनों को प्रमाणित करके आपसे अपनी पूजा कराना चाहते हैं। जो ग्रंथों में लिखा है,निग्रंथों ने लिखा है उसे मानो जो स्वप्न प्रमाणित थे वह भगवान तीर्थंकर की मां को सोलह स्वप्न आते हैं,चक्रवर्ती को 16 स्वप्न आए थे,चंद्रगुप्त को 16 स्वप्न आए थे, वे सारे सपनों का फल हमारे ग्रंथों में लिखा जा चुका है,परंतु आज कोई स्वप्न आ रहा है कि जैसे चातुर्मास समिति का अध्यक्ष तीर्थंकर बनेगा।

पत्रकार अमन जैन कोटखावदा ने सादगी से मनाया जन्मदिन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

जयपुर। शहर में अनेकों पत्रकार होते हुए भी जब जैन समाज से आने वाले पत्रकार अमन जैन कोटखावदा का नाम आता है तो सबसे कम उम्र में हर न्यूज को कवरेज करने का जज्बा रखने वाले के रूप में निखर कर आता है। शनिवार को जैन का 23वॉ जन्मदिन था। जन्मदिन के अवसर पर समाज सहित सभी परिचितों,पत्रकारों,राजनीतिकारो द्वारा सोशल मीडिया और फोन के माध्यम सैकड़ो की संख्या में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई। शाम तक शुभकामनाओं का दौर चलता रहा। अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार को जन्मदिन के अवसर पर जिनेंद्र देव के दर्शन कर संपूर्ण विश्व कल्याण की कामना की। आपको बता दें कि अमन जैन कोटखावदा छोटे से गांव कोटखावदा से आकर अनेक विपदाओं से मुकाबला कर अपनी मेहनत से इतनी छोटी सी उम्र में जयपुर जैसे महानगर में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। जैन के द्वारा कोरोना के दौरान जब परिवार के सदस्य भी दूर भागते थे जब इन्होंने अनेकों की जान बचाई जिन्होंने जैन के जन्मदिन पर शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया।

जयपुर फोटो फेयर अक्टूबर 2022 में orchid. Photo. Album. के owner. श्री आशीष जी के द्वारा जयपुर के श्री सुधीर (लाली जी) का फोटोग्राफी के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान अभिनंदन करते हुए...

वेद ज्ञान

मन प्रबंधन की आवश्यकता

यह मानसिक समस्याओं का युग है। प्रायः सभी लोगों की समस्या है कि मन स्थिर नहीं रहता। ध्यान में एकाग्रता नहीं हो पाती। चित्त स्थिर नहीं रह पाता। मन के इस कोलाहल के कारण ही हम अपनी अंतरात्मा की आवाज को नहीं सुन पाते। इसके लिए हमें अपने मन को शांत करना होगा। जिस तरह स्थिर पानी शांत होता है, लेकिन उसमें फेंका गया एक पत्थर उसमें तरंगें पैदा कर देता है, उसी तरह मन में उत्पन्न होने वाली तरंगें हमें चंचल और अशांत बनाती हैं। मन को वश में करना जरूरी है, जिसके लिए मन को संयमित रखना, अनुशासित करना मन-प्रबंधन है। जो मनन करे, वह मन है। मन के दो प्रकार हैं-द्रव्य मन और भाव मन। द्रव्य मन संपूर्ण शरीर में व्याप्त रहता है। भाव मन संकल्प-विकल्प, विचार-चिंतन और ज्ञान की अवस्था विशेष है। मन को एकाग्र करने के लिए ज्ञान को एकाग्र करना है। अज्ञान के कारण जब हमारा मन चलायमान होता है तो सम्यक ज्ञान द्वारा मन को आत्मोन्मुख करना ही मन का प्रबंधन है। जीवन में मन-प्रबंधन की अत्यंत आवश्यकता है। मन चंचल है, परंतु मन स्वभाव से चंचल नहीं होता। इसकी अस्थिरता के अनेक कारण हैं। जैसे अज्ञान, अनर्गल इच्छाएं, राग-द्वेष, क्रोध, असंयम, अधैर्य, भौतिक वस्तुओं के प्रति आसक्ति और कुछ शारीरिक कारण आदि। व्यक्ति बौद्धिक प्राणी है। व्यक्तिगत प्रयास द्वारा मन को अनुशासित और नियंत्रित करके मन का प्रबंधन कई उपायों द्वारा किया जा सकता है। मन को नियंत्रित करने के लिए सर्वप्रथम मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। इच्छाओं का नियमन, राग-द्वेष और मोह का त्याग आवश्यक है। इससे मन की भटकन समाप्त हो जाएगी, चित्त शांत हो जाएगा। ध्यान, प्राणायाम और योग से चित्त में स्थिरता आएगी और मन-प्रबंधन स्वतः होने लगेगा। मन-प्रबंधन के लिए संकल्प और इच्छाशक्ति का दृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए हमें नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों और पुस्तकों के संपर्क में रहना चाहिए जो सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक हों। मन-प्रबंधन आज आत्मिक, शारीरिक, मानसिक आदि सभी प्रकार के विकास के लिए समय की मांग है।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दो बड़े झटके

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दो बड़े झटके एक साथ लगे हैं। खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 7.41 फीसद पर पहुंच गई और औद्योगिक उत्पादन में 0.8 फीसद का संकुचन दर्ज हुआ। ये दोनों आंकड़े अगस्त महीने के हैं। महंगाई पर पिछली तीन तिमाहियों से काबू पाना कठिन बना हुआ है। रिजर्व बैंक की कोशिश है कि महंगाई को घटा कर छह फीसद तक लाया जा सके। मगर इसमें कामयाबी नहीं मिल पा रही। चिंता की बात है कि खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.6 फीसद पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों के रोजमर्रा की जिंदगी पर बुरा असर पड़ रहा है। पिछले दिनों रिजर्व बैंक ने दावा किया कि अगले दो सालों में महंगाई की दर चार फीसद पर स्थिर हो जाएगी, मगर जिस तरह अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में संतुलन साधना मुश्किल बना हुआ है, उससे यह दावा धुंधला ही बना हुआ है। महंगाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन समेत तमाम रेटिंग एजंसियां अपना अनुमान बदल चुकी हैं। विश्व व्यापार संगठन का कहना है कि पूरी दुनिया में महंगाई की मार अगले दो सालों तक बनी रहेगी। मंदी का दौर अगले चार सालों तक चलेगा। सरकार के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय है कि औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि नहीं हो रही। चूंकि सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में सबसे अधिक महत्त्व औद्योगिक क्षेत्र के योगदान का माना जाता है, उसके शिथिल पड़ने का अर्थ है कि पूरी अर्थव्यवस्था डावांडोल स्थिति में बनी रहेगी। पिछले दिनों वित्तमंत्री ने उद्योग क्षेत्र में निवेश न बढ़ पाने को लेकर चिंता जताते हुए एलान किया था कि उद्योग जगत अपनी समस्याएं बताए, जिसके आधार पर सरकार सहूलियतें देने का प्रयास करेगी। हालांकि पहले ही उद्योग जगत को काफी रियायतें दी जा चुकी हैं, कोरोनाकाल के बाद राहत पैकेज की घोषणा भी की गई थी, मगर उद्योग जगत गति नहीं पकड़ पा रहा, तो इसकी वजहों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर सितंबर और अक्तूबर के महीने में औद्योगिक उत्पादन की दर पांच फीसद तक नहीं पहुंची तो जीडीपी पर बुरा असर पड़ेगा। हालांकि ये दो महीने त्योहारों के हैं, जिनमें बाजार में कुछ गतिशीलता रहती है, इसलिए अनुमान है कि इस दौरान उद्योग जगत को कुछ बल मिलेगा। मगर बुनियादी कमजोरियों को दूर करने की जरूरत फिर भी बनी रहेगी। औद्योगिक उत्पादन गिरने का सीधा कारण है कि वस्तुओं की बाजार में खपत नहीं बढ़ पा रही। फिर खुदरा महंगाई की दर रोकने के लिए रिजर्व बैंक रेपो दरों में लगातार बढ़ोतरी कर रहा है। अभी फिर इसमें पैंतीस आधार अंक तक बढ़ोतरी के कयास लगाए जा रहे हैं। इससे भी औद्योगिक उत्पादन पर असर पड़ता है। फिर निर्यात की दर नीचे का रुख किए हुए है। पूरी दुनिया में मंदी का दौर है, इसलिए भारतीय वस्तुओं की खपत बाहरी बाजारों में घटी है। इसके अलावा लोगों का रोजगार खत्म हो जाने, कमाई घटने, नौकरियां जाने की वजह से क्रयशक्ति काफी कमजोर हो गई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विवेक के विरुद्ध...

माना जाता है कि केरल आमतौर पर एक शिक्षित और वैज्ञानिक चेतना वाला राज्य है, जहां के ज्यादातर लोग रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्रगतिशील मूल्यों को अपनाते हैं। केरल में दो महिलाओं की हत्या की ताजा घटना हमारे देश में विकास की उन तमाम अवधारणाओं पर सवाल उठाती है, जिसमें केवल अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को पैमाना बना लिया जाता है और चेतना की कसौटी को हाशिये पर छोड़ दिया जाता है। इस हत्या की वजह बदला या कोई अन्य आम कारण नहीं है, बल्कि समृद्ध होने के लोभ में हत्यारे बलि जैसी झूठी धारणा में क्रूरता की हदों को पार कर गए। पथानामथिट्टा के एलंथूर गांव में तंत्र-मंत्र और बलि के जरिए अपना मनचाहा हासिल करने की सलाह देने वाले व्यक्ति की मदद लेकर एक दंपति ने दो महिलाओं की हत्या कर दी और उनके शवों को घर में ही दफना दिया। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं मारी गई महिलाओं का मांस भी तो नहीं खाया गया। यों अब तीनों आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और कानूनन इस अपराध के लिए उनकी सजा तय की जाएगी, मगर यह अपने आप में हैरानी की बात है कि आज भी कैसे कोई इस तरह के अंधविश्वासों में जीता-मरता है कि किसी इंसान की हत्या करने के बाद चमत्कार के जरिए वह धनी बन जाएगा! माना जाता है कि केरल आमतौर पर एक शिक्षित और वैज्ञानिक चेतना वाला राज्य है, जहां के ज्यादातर लोग रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्रगतिशील मूल्यों को अपनाते हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि ऐसे राज्य में भी अंधविश्वास का ऐसा क्रूरतम रूप देखने में आ सकता है। दो महिलाओं की हत्या करते हुए अपराध में शामिल तीन लोगों ने इसके कानूनी अंजाम के बारे में सोचना जरूरी नहीं समझा, यह कानून-व्यवस्था और उसके प्रभाव का मामला हो सकता है। लेकिन इन हत्याओं का जो कारण सामने आया है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बलि के सहारे समृद्धि हासिल करने की पिछड़ी मानसिक अवस्था में जीने वाला व्यक्ति बाकी और क्या सोच सकने लायक होगा। हाल ही में दिल्ली में भी इसी तरह से छह साल के एक बच्चे की हत्या कर दी गई थी। व्यक्ति के भीतर बिना मेहनत या क्षमता के अपना मनचाहा हासिल करने की ऐसी भूख कहां से पैदा होती है, जो उसे अंधविश्वासों की क्रूर और अज्ञानता की दुनिया में ले जाती है? विवेक से वंचित और सोचने-समझने के स्तर पर बेहद कमजोर ऐसे लोगों की भावनाओं का शोषण कर अंधविश्वास का कारोबार करने वाले तांत्रिकों या बाबाओं को खुली छूट कौन और किस आधार पर मुहैया कराता है? संविधान के अनुच्छेद 51-ए (एच) के मुताबिक वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद, जांच और सुधार की भावना विकसित करना सभी नागरिकों का दायित्व है। क्या सरकारें और उनके संबंधित महकमे इस दायित्व से मुक्त हैं? अक्सर वामपंथी मूल्यों का हवाला देने वाली केरल की मौजूदा सरकार के लिए यह घटना ज्यादा शर्मनाक होनी चाहिए। वामपंथी दलों के सत्ता में या फिर विपक्ष में भी बेहद प्रभावशाली भूमिका में रहने के बावजूद इस स्तर के अंधविश्वास अगर पल रहे हैं, तो यह एक बड़े विरोधाभास का संकेत है। अंधविश्वास के नतीजे में अगर कोई जघन्य अपराध की घटना सामने आ जाती है, तो उसमें कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाती है। लेकिन उससे पहले अमूमन हर गांव-शहर में पसरे तांत्रिकों या बाबाओं या तंत्र-मंत्र की गतिविधियां खुलेआम संचालित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती।

HCG कैंसर हॉस्पिटल ने किया कैंसर अवेयरनेस हेल्थ टॉक शो का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। एच सी जी कैंसर हॉस्पिटल मानसरोवर, दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल, दिगम्बर जैन सोशल ग्रूप फ़ेडरेशन राजस्थान रीज़न जयपुर, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबंध समिति महावीर नगर, के सयुक्त तत्वावधान में मानसरोवर स्थित HCG केन्सर हास्पिटल सेक्टर -5 शिप्रापथ, मानसरोवर, जयपुर में सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया गया।हेल्थ अवेयरनेस कैंप में HCG कैंसर हास्पिटल के अनुभवी "डॉ कार्तिक रस्तोगी (कंसलटेंट रेडिएशन ऑनकोलॉजी)" द्वारा कैंसर के बचाव व उपचार के बारे में विस्तार से बताया और डॉ रस्तोगी और डॉ कामरा गुप्ता ने लोगो के द्वारा पूछे गये सवालों का निदान किया। टॉक शो में महिलाओं का निशुल्क मेमोग्राफी, पैप स्पमेर व पुरुषों का निशुल्क पी एस ए टेस्ट किया गया। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जैन और दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने हॉस्पिटल के डॉ रस्तोगी को समृति

चिन्ह और महासमिति के सचिव महावीर बाकलीवाल, रीजन के मन्त्री निर्मल संघी ने डॉ रस्तोगी को दुपट्टा और तिलक लगाकर सम्मान किया। अनिल कुमार जैन IPS अध्यक्ष मुख्य अथिति के रूप में मौजूद रहे। महावीर नगर जैन मंदिर के सचिव सुनील बज ने हॉस्पिटल के मार्केटिंग मैनेजर कृष्ण कान्त गौर का आभार व्यक्त किया। आयोजित टॉक शो में लगभग 180 -200 सदस्यों ने भाग लिया।

आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने कहा...

आलस्य यानी सांप को दूध पिलाना ओर उत्साह यानी गाय को घास खिलाना

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

तपस्वी मौन पूर्वक सिंहनिष्कडित व्रत करने वाले विश्व के प्रथम आचार्य श्री अन्तर्मना प्रातः स्मरणीय आचार्य श्री 108 परम पूज्य प्रसन्न सागर जी महाराज । 21 जुलाई 2021 से गुरुदेव की मौन साधना प्रारंभ हुई है जो 28 जनवरी 2023 तक रहेगी। 496 उपवास और 61 दिन आहार ग्रहण करने वाले आचार्य श्री गुरुदेब के मंगल आशीर्वाद ओर मोन वाणी को ओर परम पूज्य सौम्य मूर्ति मुनि 108 पीयूष सागर जी महाराज के जुबानी बताया कि आलस्य और उत्साह में इतना ही अंतर है...आलस्य यानी सांप को दूध पिलाना ओर उत्साह यानी गाय को घास खिलाना। सांप दूध पीकर जहर उगलता है और गाय घास खाकर पंचामृत देती है। मन के थक जाने ,शरीर को लाचार करने और कुछ भी करने के लिए टालने की प्रवृत्ति को आलस्य कहते है। ध्यान रखना -आलस्य एक समय तक तो अच्छा लगता है,लेकिन बाद में जब समय का मूल्य समझ में आता है तो अफसोश,पछतावा के अलावा कुछ नही बचता। अब कहो अब पछताते होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत इसलिए अपने कोई भी कार्य को छोटा बड़ा मत समझो, सिर्फ जुनून और जोश से करते रहो। सफलता और असफलता के बाबत नहीं बल्कि जोश और जुनून को नहीं मरने दो। अनावश्यक नकारात्मक सोच और विचारों को कचरे बॉक्स में डालकर कार्य मे संलग्न हो जाओ। जुनून और जोश को बरकरार रखने के लिए रोज 30 मिनट योगाभ्यास , ध्यान व्यायम और 15 मिनट ताजी धूप में शरीर को सेकें फिर देखो सफलता कैसे नहीं मिलती ओर आलस्य कैसे नहीं भागता हैं। **संकलन कर्ता: कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, विवेक गंगवाल।**

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल

अधिवेशन एवं सम्मान समारोह

: पावन सान्निध्य :

परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी महाराज, ससंघ

• रविवार, दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 •

स्थान : तोतूका सभागार, भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

प्रथम सत्र : प्रात : 8.30 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक

द्वितीय सत्र : दोपहर 1.30 बजे से सायं 5.00 बजे तक

प्रात: एवं सायंकाल- सामूहिक सहभोज

आप सादर आमंत्रित हैं।

परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज का विशेष संदेश

दोपहर 4.15 बजे से सायं 5.00 बजे तक

: अतिथिगण :

प्रथम सत्र : प्रात : 8.30 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक

मुख्य अतिथि : श्री अशोक जी बड़जात्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति

अध्यक्षता : श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति

प्रमुख अतिथि : श्री सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति

सम्मानीय अतिथि : श्री नवीन सेन जी जैन
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति

चित्र अनावरणकर्त्ता : श्री अशोक कुमार जी गोधा
टैक्स एडवोकेट

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता : श्री शरद जी मिश्रा
डायरेक्टर, त्रिमूर्ति बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स, जयपुर

विशिष्ट अतिथि : डॉ. मोहनलाल जी जैन 'मणि'
प्रख्यात होम्योपैथिक चिकित्सक

द्वितीय सत्र : दोपहर 1.30 बजे से सायं 5.00 बजे तक

मुख्य अतिथि : श्री अशोक जी बड़जात्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति

अध्यक्षता : श्री अनिल जी जैन I.P.S. (Retd.)
अध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल

चित्र अनावरणकर्त्ता : ईंजि. श्री प्रेम चन्द जी छाबड़ा, प्रख्यात समाजसेवी

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता : डॉ. पी. सी. जैन, बापू नगर
संयुक्त निदेशक : पशु पालन विभाग, जयपुर

सम्मानीय अतिथि : श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी
: श्री सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या, श्री नवीन सेन जी जैन

विशिष्ट अतिथि : श्री ईंजि. श्री सतीश जी बाकलीवाल, प्रख्यात समाजसेवी
: श्री वीरेन्द्र कुमार जी सेठी, प्रख्यात समाजसेवी

{'अवनि से अम्बर' स्मारिका} विमोचनकर्त्ता श्री मुकेश जी जैन (एडवोकेट), अजमेर

: निवेदक :

अनिल कुमार जैन I.P.S. (Retd.)
अंचल अध्यक्ष

महावीर बाकलीवाल अंचल महामंत्री
सुरेश जैन 'बाँदीकुई' अंचल कोषाध्यक्ष
डॉ. णमोकार जैन संयोजक

एवं समस्त पदाधिकारीगण एवं कार्यकारी सदस्यगण

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड, पिंकपर्ल, वीर ग्रुप

द्वारा आयोजित

CELEBRITY

Naveen Sharma
TV Star
Kundali Bhagya, Nagin 3, Molki Fame
Founder of NSPA

गरबा रास 2022

CELEBRITY

RJ Rohit
Radio City 91.1 FM

रविवार, दिनांक 16 अक्टूबर 2022
समय : सायं 6 बजे से

स्थान : "जमुना गार्डन"
मोरानी मोटर्स के सामने, टोंक रोड, जयपुर

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित है।

मुख्य अतिथि	:	CA श्री सुनील - सपना जी जैन MD, फाइन टेक ग्रुप
उद्घाटनकर्ता	:	श्री सुरेन्द्र - मृदुला जी पाण्ड्या राष्ट्रीय महामंत्री, दि. जैन महासमिति
द्वीप प्रज्ज्वलनकर्ता	:	श्री यशकमल - संगीता जी अजमेरा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दि. जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन
महाआरती पुण्यार्जक	:	श्री राजकुमार - चन्दा जी सेठी मुनिभक्त एवं समाजश्रेष्ठी
गरबा रास पुरस्कार पुण्यार्जक	:	श्री धीरज - सीमा जी पाटनी प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी

ATTRACTION

Best Dress Couple	- 1st, 2nd
Best Dress Male	- 1st, 2nd
Best Dress Female	- 1st, 2nd
Best Dress Kids	- 1st, 2nd
Best Dance Couple	- 1st, 2nd
Best Dance Male	- 1st, 2nd
Best Dance Female	- 1st, 2nd
Best Dance Kids	- 1st, 2nd

Entry Pass Rs. 100/-
अल्पाहार सहित

लक्की ड्रॉ कूपन

विशेष हाऊजी
बम्पर प्राइजेज के साथ

आयोजक

डायमण्ड ग्रुप
प्रमोद सोनी (अध्यक्ष) रमेशचंद छाबड़ा (सचिव) एस. के. गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
श्रीमती दीपशिखा अजमेरा, संयोजक, 9529773342

पिंकपर्ल ग्रुप
राजेश चौधरी (अध्यक्ष) संजय गंगवाल (सचिव) अरविन्द बिलाला (कोषाध्यक्ष)
मनीष सौगानी, संयोजक, 9828866677

वीर ग्रुप
नीरज जैन (अध्यक्ष) पंकज जैन (सचिव) आशिष जैन (कोषाध्यक्ष)
संजय जैन, संयोजक, 9828364276

निवेदक

राजेश बड़जात्या, रीजन अध्यक्ष
अनिल कुमार जैन IPS (R), रीजन संस्थापक अध्यक्ष
यशकमल अजमेरा, निवर्तमान रीजन अध्यक्ष
पारस कुमार जैन, रीजन कोषाध्यक्ष
निर्मल संघी, रीजन महासचिव
महेन्द्र कुमार पाटनी, रीजन वरिष्ठ परामर्शक
सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या, रीजन परामर्शक
नवीन सेन जैन, रीजन परामर्शक
अतुल बिलाला, पूर्व रीजन अध्यक्ष
सुनील कुमार बज, रीजन कार्याध्यक्ष
सुरेश जैन बांदीकुई, रीजन कार्याध्यक्ष

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

सहयोगी ग्रुप : जयपुर मेन, गुलाबी नगर, नवकार, आदिनाथ, जैन भारती, मैत्री, पार्श्वनाथ, वात्सल्य, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, सम्यक, संगिनी फॉरएवर, वर्धमान, स्वस्तिक, सन्मती, विराट

सम्पर्क सूत्र : 9785074581, 9829844533, 9928566561, 9413332526, 9460762728, 9828364276, 9829031058, 8619372690, 9314633391

रश्मि जैन की हुई गोद भराई

मुरेना की रश्मि जैन ने अंगीकार किया वैराग्य का मार्ग

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। नगर की विदुषी श्राविका श्रीमती रश्मि जैन की गोद भराई का कार्यक्रम परम पूज्य सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका श्री अन्तसमति माताजी के पावन सान्निध्य में चम्बलांचल के गोरमी में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जीवन के किसी भी

क्षण में वैराग्य उमड़ सकता है, संसार में रहकर प्राणी संसार को तज सकता है, श्रीमती रश्मि जैन ने उक्त लाइनों को चरितार्थ कर दिखाया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मन्दिर मुरेना के पूर्व मंत्री, वरिष्ठ समाजसेवी, उपरोचियां जैसवाल जैन समाज के दनगसिया गोत्रीय पदमचंद जैन उर्फ गैंदालाल जैन (चैटा वाले) की धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि जैन प्रारंभ से ही गृहस्थ अवस्था में रहकर ही संयम की साधना कर रही थी। आपके परिवार में तीन पुत्र, पुत्रबधू, नाती-पन्ति सहित भरा पूरा परिवार है लेकिन अपने पारिवारिक मोह को त्यागकर संयम के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया। आप नगर में किसी भी साधु के आगमन पर अपने परिवार सहित गुरुभक्ति एवं आहारचर्या में अग्रणी रहती थी। लगभग तीन माह पूर्व श्रीमती रश्मि जैन ने दीक्षा की भावना व्यक्त करते हुए भोपाल में चातुर्मासरत परम पूज्य बाककेशरी आचार्यश्री विनिश्चयसागर जी महाराज को श्रीफल भेंट किया और गुरुदेव ने सहर्ष उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। चूंकि आचार्य विनिश्चयसागर जी महाराज अपने संघ में आर्यिका माताजी को नहीं रखते हैं, इसलिए अभी यह निश्चित नहीं है कि दीक्षा लेने के पश्चात रश्मि जैन किस आर्यिका संघ में रहकर संयम की साधना करेंगी। **प्रस्तुति-मनोज जैन नायक, मुरेना**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विद्यालय में नो बेग डे पर रोचक खेल गतिविधियों का आयोजन

पूर्व राष्ट्रपति मिसाईल मेन डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई

चित्तोड़गढ़. शाबाश इंडिया

शनिवार को विद्यालयों में नो बेग डे मनाया जाता है ,उसी क्रम में आज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ठिकरिया ,जिला- चित्तोड़गढ़ में भी मनाया गया। विद्यालय प्रभारी संजय कुमार जैन ने बताया कि आज रा उ प्रा विद्यालय ठिकरिया में नो बेग ड़े के तहत कक्षा 1 से 2 अंकुर समूह के बच्चों को लंगड़ी टांग,कक्षा 3 से 5 प्रवेश समूह के बच्चों को कुर्सी दौड़ व कक्षा 6 से 8 तक के दिशा समूह के बच्चों को सांकर डंडा खेल खिलाया गया। बच्चों ने इन खेलों में रोचकता के साथ भाग लिया, बाद में इन खेलों से प्राप्त उद्देश्यों पर बात की गई। शारीरिक व मानसिक विकास, नेतृत्व क्षमता, सतर्कता, एकता, फुर्ती, समूह भावना के साथ ही निश्चित रूप से यह गतिविधियां बच्चों के लिए प्रेरक का कार्य कर रही हैं, वे उनके मनपसंद खेल उनके अपनो के साथ खेल रहे हैं। संजय कुमार जैन ने कबाड़ से जुगाड़ के तहत घरों में स्थित प्लास्टिक की वह

खाली बोतलें जो बाहर कचरे में जाकर गंदगी व बीमारी के साथ ही पर्यावरण प्रदूषण का कारण बनती उनका सदुपयोग करते हुए उनमें छोटे - छोटे औषधीय पौधे व फूल वाले पौधे लगाए गए। बच्चों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित किया गया। आज ही पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम साहब की जन्म जयंती भी है अतः उनके विषय मे बच्चों को जानकारी दी गई। अध्यापक प्यारचंद, देवेंद्र कुमावत, प्रियंका बाई ने गतिविधियों का संचालन किया व प्रथम द्वितीय रहे बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

बिरला हॉस्पिटल जयपुर में हेल्थ अवेयरनेस शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् जयपुर महानगर के तत्वाधान में 14 अक्टूबर को सी के बिरला हॉस्पिटल जयपुर में हेल्थ अवेयरनेस सेंसन रखा गया। उसमे प्रसिद्ध गैस्ट्रो सर्जन विशेषज्ञ डॉ बंशीधर सोनी ने अत्यंत ही सरल और सटीक भाषा में लोगो को बताया कि अपन रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ा सा भी बदलाव कर लें तो स्वस्थ रह सकते हैं,इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उदयभान जैन, दिलीप जैन, विमल बज, पारस जैन, रिषभ जैन, श्रीमती अलका जैन, पीयुष सोनी, दीक्षांत हाड़ा थे। देवेंद्र बोहरा जिला अध्यक्ष एवं विनोद जैन जिला मंत्री ने बताया कि कार्यकम के मुख्य संयोजक रवि रावंका, योगेश बड़जात्या की अहम् भूमिका रही। सी के बिरला हॉस्पिटल के मार्केटिंग डिप्टी मैनेजर संजीव ने बताया की अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद जिला जयपुर के सयुंक्त तत्वावधान में हुए हेल्थ अवेयरनेस सेंसन सफल रहा।

पहली बार बच्चीयों की गुरुकुल पद्धतियों से शिक्षा: मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज

बेटियो को संस्कारित शिक्षा मिल रही है, ललितपुर में हो रहा है श्रमण संस्कृति संस्थान शिविर

ललितपुर. शाबाश इंडिया

आपके जीवन में सुरक्षा का सवाल आवे तो आप किसको सुरक्षित करेंगे अपनी मां बहन की तो आप बहन को सुरक्षा देते हैं सौ पुरुष हो और एक जनाना हो तो सब पहले जनाना चाहे वो मां हो बहन हों कोई हो सभी उनकी सुरक्षा करते हैं बुझते हुए दीपक को हाथ लगाने से रूक सकता है उसे रोक का मैंने प्रयास किया है भौतिकता की इस अंधी को तो रोक नहीं सकते लेकिन जो हमारे पास आ जाते हैं छत्रछाया प्राप्त कर लेते हैं पुरुषार्थ करके उन्हें बचा सकते तो बचा रहें हैं गुरु कुल तो पहले भी थे सांगानेर संस्थान तो बाद में बनी लेकिन बेटियों को गुरु कुल पद्धति से शिक्षित करने के लिए बहुत सोचा । किशनगड में बेनाडाजी वगेरा आये और फिर इस क्षेत्र में कार्य को आगे बढ़ाया आज दो हजार साल बाद बेटियो को भी गुरु कुल पद्धति से शिक्षित किया जा रहा है उक्त आश्य के उद्गार निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

संस्थान को संभालने आई प्रमुख बेटियां

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि श्रमण संस्कृति संस्थान की सह शाखा के रूप में बालिका छात्रावास के माध्यम

से सर्व सुविधायुक्त गुरुकुल पद्धति से बेटियो को शिक्षित किया जा रहा है जो आगे चलकर धर्म की गद्दी संभालेगी । इस व्यवस्था के संचालक के लिए श्रीमति सुशीला पाटनी, श्रीमति तारीका पाटनी आर के मार्वल, रेणु राणा, मंजू छाबड़ा, शीला डोडिया, वंदना जैन सहित सभी प्रमुख जनों को आगे करके विद्वानों बेटियों को तैयार किया जा रहा है अभी विशेष रूप से अभी मुनि पुंगव के सान्निध्य में दस दिवसीये शिक्षण सम्मेलन में विशेष रूप प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

बेटा सन्देह कर सकता है मां सन्देह नहीं कर सकती

मुनिश्री ने कहा कि सब कुछ छोड़ने के बाद कुछ भी ना मिले या खटाई छोड़ने के बाद मिठाई ना मिले तो कोई गारंटी दे सकता है मेरे स्कूल में पढ़ने वाला छात्र मेरिट लिस्ट में आयेगा। किसी भी विधा में गारंटी नहीं दे सकते। गारंटी देने वाला विद्यार्थी फीडल में जायेगा काम के बाद जेल में मिलेगा। इन को इलाहाबाद स्कूल से मार्कसीट मिली होगी अच्छे विद्यालय, कभी पूर्ण कोई डॉक्टर नहीं, कोई गाड़ी नहीं जो गारंटी दे दे ऐसे ही कोई धर्म नहीं जो गारंटी दे की तुम्हें मोक्ष मिलेगा। ये ऐसा है जो संसार में अनादिकाल से चल रहा है। यदि बेटे को सन्देह हो रहा है। बेटे का सन्देह करना जायज है मां का सन्देह करना ठीक नहीं। मां सन्देह नहीं कर सकती कि मेरा बेटा कुछ नहीं बनेगा। बड़ा होकर मेरा बेटा कलेक्टर बनेगा यदि वह यह सोचती है तो ठीक है क्योंकि बनते तो है। देना कुछ नही सब छोड़ना है लेना कुछ नही वह तो मेरे पास है। उन्होंने कहा कि हमें खटाई छोडनी पड़ेगी तभी मिठाई मिलेगी हम खटाई के साथ मिठाई चाहियें संसार के साथ मोक्ष चाहिये जो संभव नही जिनवाणी माता कहती है हमें खटाई छोडनी है तभी मिठाई का आनंद आयेगा हमें केवल छोडना ही छोड़ना है जो पाना है वह तो हमारे पास है। हम सत्य को तो सत्य मान रहे हैं खोटे को खोटा नही मान रहे हैं। जो हिंसा की परीभाषा नही जानता है वह अहिंसा को भी नही जानता है।

सच्चा गुरु शरण नहीं देगा

उन्होंने कहा कि सच्चा गुरु शरण नहीं देगा जिनको तू छोड़कर आया है वे कैसे हैं अंजन चोर से गुरु पूछते हैं चोरी में क्या कमी थी धर्म बहुत अच्छा है। धर्म वो है जो उत्तम पद की तरफ ले जायें उत्तम सुख को देने वाला है। बाधक तत्वों का विनाश व साधक तत्वों का होना यह धर्म हैं मे ये हुं धर्म है लेकिन में ये नहीं ये भी धर्म है ये नास्ति कथन है हम आस्ति को तो जान रहे हैं लेकिन नास्ति की तरफ नही देख रहे हैं। जब तक नास्ति नही समझगें तब तक सुखी नही हो सकते हैं। बाधक कारणों को हटाओं वो ही साधक कारण है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए मोबाइल वाहन को दिखाई हरी झंडी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। आगामी 12 नवंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार करने के लिए मोबाइल वैन को शनिवार को न्यायिक अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार और विधिक जागरूकता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को मोबाइल वैन नसीराबाद भिजवाई गई। सचल विधिक सेवा मोबाइल वेन को नसीराबाद क्षेत्र में विधिक साक्षरता के लिए जागरूक करने हेतु तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष मदनलाल सहारण व न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा सान्दू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष फारूक खत्री, पैरालीगल एडवोकेट्स हेमन्त कुमार प्रजापति,सौरभ सेठी, अभिषेक जैन सहित न्यायिक कर्मचारी व अधिवक्तागण उपस्थित थे।

एडवेंचर कैंप में भाग लेने के लिए राजस्थान टीम रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। एडवेंचर कैंप में भाग लेने के लिए राजस्थान टीम रवाना हुई। एस पी भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान, जयपुर ने बताया कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अटल बिहारी वाजपेई इंस्टिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स मनाली, सोलंग (हिमाचल प्रदेश) में एडवेंचर कैंप आयोजित किया जा रहा है । यह कैंप 14 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2022 तक संचालित किया जाएगा । इस कैंप में डॉ विशाल गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा घनिष्ठा सिसोदिया, तनीषा सेदावत, उज्जवल शर्मा, अक्षय कुमार मौर्य, प्रत्युष जैन, जय गौतम, यमुना सिंघल, इप्शिता ग्रोवर, तनिष्का तिवारी, पारुल वर्मा भाग ले रहे हैं।

अहम और वहम दोनों बहुत बुरी चीज है : आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे बाहर से आए सभी श्रावकों ने तथा ललित भाई मुम्बई, गोरधन लाल सेठ ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण भूपेन्द्र जैन गोरेगांव ने तथा नेहा जैन धरियावद व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया । चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि मुम्बई व धरियावद से पधारे अतिथि महानुभावों ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल

ने बताया धर्म सभा मे कमलेश कचकलाल फलेसिया सेमारी परिवार ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया। पूज्य गुरु देव को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। आर्यिका 105 श्री संपूर्ण मति माताजी ने कहा कि जिस तरह मां वात्सल्य देती है वैसे ही गुरुवर हमें वात्सल्य देते हैं जैसे पिता अपने बच्चों को अनुशासन में रखते हैं वैसे ही आचार्य श्री हमें अनुशासन में रखते हैं। पूज्य आचार्य भगवंत ने अपनी वाणी से पर कल्याण की भावना से उद्बोधन देते हुए कहा- वक्त आया है सोने में गुजार दीजिए या फिर सोना बना लीजिए। मौके पर चौका लगा दिया तो आप सक्सेज हो जाएंगे अगर नहीं लगा सके तो फेल हो जाएंगे। अहम् और बहम दोनों बुरी चीज है। पदार्थों के अहम् में हम शाश्वत सत्ता को भूल गए हैं। सत् उपलब्धि खुद को तपाने से होगी, संयम साधना की उत्पत्ति सौभाग्य से होती है। मतलब की बात समझने वाले सब मिल जाएंगे, लेकिन बात का मतलब समझने वाले कोई विरले ही नजर आएंगे। बहुत लोग हैं जो देव शास्त्र गुरु को साधन रूप में उपयोग करते हैं हमें तो केवल उनकी साधना करनी है। बुजुर्ग लोग कोई बात कहते हैं तो उसका मतलब समझना चाहिए। बात का मतलब समझना खास बात है मां कह देती है गुस्से में,कभी कि घर से निकल जा पर कभी निकला नहीं जाता है। गुरु भी अगर कभी कठोर हो जाएं तो उनके कहने का अर्थ समझना चाहिए। द्रव्य गुण पर्याय सदैव वर्तमान है हमारा नाम पर्याय का नाम है और दुनिया भी उसी को जानती है। पर्याय से जो भी चीज जुड़ती है उसमें भी कमी निकल ही जाती है। समता जीवन में अवश्य होनी चाहिए। द्रव्यार्थ नय से नाम का महत्व नहीं है मैं जीवात्मा हूं यही मानना चाहिए। परिवर्तन सदैव होता रहता है यही सोचना चाहिए कि अच्छा व्यवहार हो,अच्छी सोच, अच्छी भावना हो अपनी आत्मा कभी देव बन सकती है, कभी मनुष्य बन सकती है। और पुण्य उदय हुआ तो भाव धारण कर मुनिराज भी बन सकते हैं और सिद्धत्व को प्राप्त कर सकते हैं। वस्तुओं में आसक्ति ना बढ़ाएं। वस्तुओं से ममत्व को घटाओ, हमेशा आकिन्चन्य धर्म का ध्यान रखना चाहिए।

पार्श्वनाथ स्वाध्याय मंडल द्वारा गोवंश के लिए हरे चारे की सेवा

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया।

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा विगत 55 दिन से प्रतिदिन लंपी स्कीन रोग से ग्रस्त गोवंश के लिए पोष्टिक हरा चारा की सेवा दी जा रही है । सेवा की इस कड़ी में आज भगवान पार्श्वनाथ स्वाध्याय मंडल पार्श्वनाथ कॉलोनी वैशाली नगर के सहयोग से पंचशील नगर भेरूबाडा में स्थापित आइसोलेशन सेंटर पर लगभग दो सौ अशक्त एवम रोगग्रस्त गऊ माताओं के लिए एक बड़ी ट्रॉली पौष्टिक हराचारा भिजवाया गया। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि आज की सेवा रेखा पाटोदी, प्रियंका सेठी, पूजा सेठी, प्रेरणा गंगवाल, अर्चना काला एवम दोषी मैडम के सयुक्त तत्वावधान एवम सहयोग से भिजवाया गया। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सेवा सहयोगी मंडल के सदस्याओ के द्वारा जीवदया के लिए किए गए कार्य की सराहना करते हुए बताया कि जिस प्रकार प्रतिदिन गोभक्तो,समाजसेवियों, समिति सदस्य के सहयोग मिल रहा है निश्चित ही इस सेवा को आगे भी जारी रखा जाएगा ।